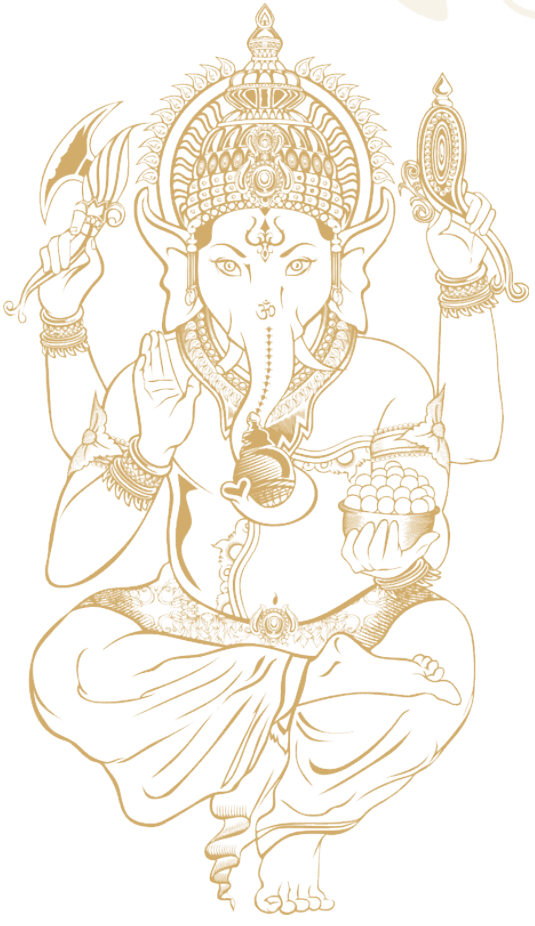

Praveen kumar

03 Dec 1983

12:03 PM

Jogindernagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121511006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/12/1983**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:03:00 घंटे**
इष्ट	12:21:36 घटी
स्थान	**Jogindernagar**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:51:00 उत्तर
रेखांश	76:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:40:08 घंटे
वेलान्तर	00:10:26 घंटे
साम्पातिक काल	16:26:15 घंटे
सूर्योदय	07:06:21 घंटे
सूर्यास्त	17:18:29 घंटे
दिनमान	10:12:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	16:53:16 वृश्चिक
लग्न के अंश	02:35:19 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	अतिगण्ड
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	02:35:19	487:50:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	16:53:16	01:00:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	01:43:27	13:20:58	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			कन्या	15:01:18	00:34:32	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			धनु	04:40:33	01:25:20	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु		अ	वृश्चि	25:46:39	00:13:32	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	02:27:50	01:08:36	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			तुला	17:28:49	00:06:37	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	उच्च राशि
राहु	व		वृष	22:16:36	00:00:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	22:16:36	00:00:26	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	15:47:58	00:03:42	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
नेप			धनु	04:38:32	00:02:11	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
प्लूटो			तुला	07:22:58	00:01:59	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			वृश्चि	14:40:51	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:39

लग्न-चलित

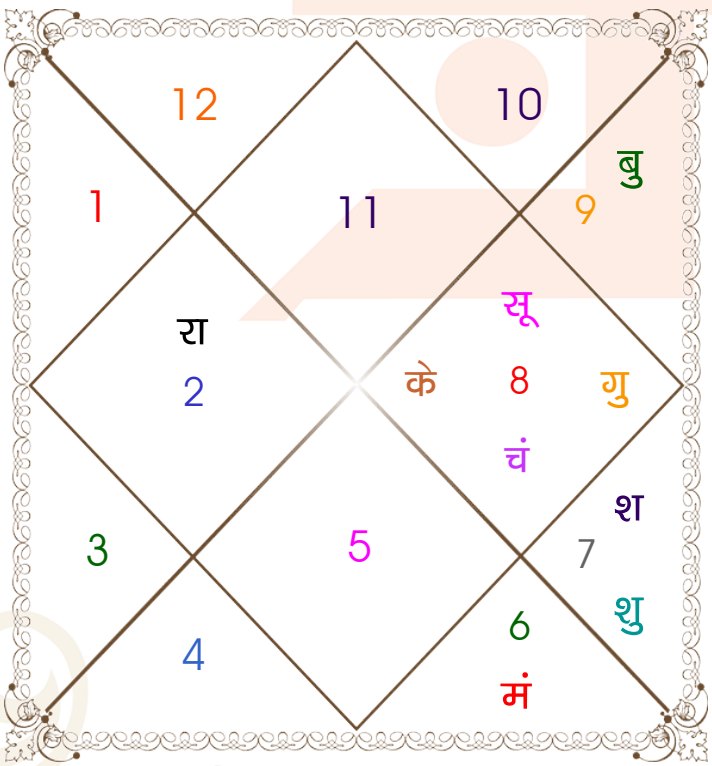

चन्द्र कुंडली

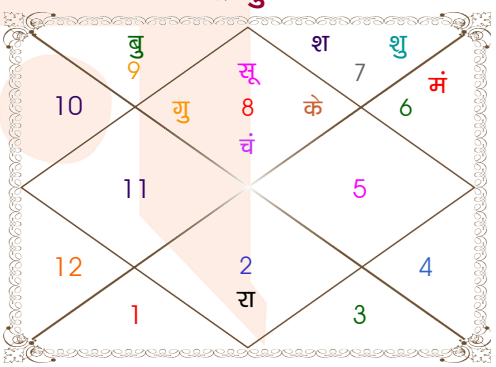

नवमांश कुंडली

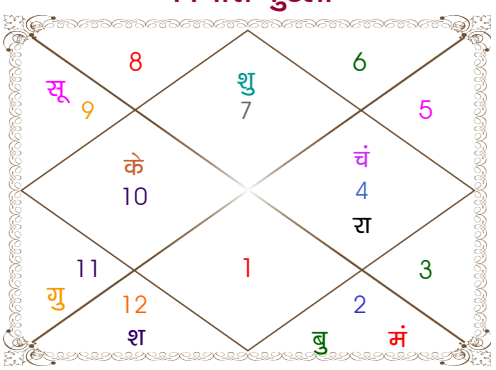

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 11 मास 5 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/12/1983		07/11/1985		07/11/2004		07/11/2021		07/11/2028	
07/11/1985		07/11/2004		07/11/2021		07/11/2028		07/11/2048	
	00/00/0000	शनि	10/11/1988	बुध	06/04/2007	केतु	05/04/2022	शुक्र	09/03/2032
	00/00/0000	बुध	21/07/1991	केतु	02/04/2008	शुक्र	06/06/2023	सूर्य	09/03/2033
	00/00/0000	केतु	29/08/1992	शुक्र	01/02/2011	सूर्य	11/10/2023	चंद्र	08/11/2034
	00/00/0000	शुक्र	30/10/1995	सूर्य	08/12/2011	चंद्र	12/05/2024	मंगल	08/01/2036
	00/00/0000	सूर्य	11/10/1996	चंद्र	09/05/2013	मंगल	08/10/2024	राहु	07/01/2039
	00/00/0000	चंद्र	12/05/1998	मंगल	06/05/2014	राहु	26/10/2025	गुरु	07/09/2041
	00/00/0000	मंगल	21/06/1999	राहु	22/11/2016	गुरु	02/10/2026	शनि	07/11/2044
	03/12/1983	राहु	27/04/2002	गुरु	28/02/2019	शनि	11/11/2027	बुध	08/09/2047
राहु	07/11/1985	गुरु	07/11/2004	शनि	07/11/2021	बुध	07/11/2028	केतु	07/11/2048

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/11/2048		08/11/2054		07/11/2064		08/11/2071		07/11/2089	
08/11/2054		07/11/2064		08/11/2071		07/11/2089		04/12/2103	
सूर्य	25/02/2049	चंद्र	08/09/2055	मंगल	05/04/2065	राहु	21/07/2074	गुरु	27/12/2091
चंद्र	26/08/2049	मंगल	08/04/2056	राहु	24/04/2066	गुरु	14/12/2076	शनि	09/07/2094
मंगल	01/01/2050	राहु	08/10/2057	गुरु	31/03/2067	शनि	21/10/2079	बुध	14/10/2096
राहु	26/11/2050	गुरु	07/02/2059	शनि	08/05/2068	बुध	09/05/2082	केतु	20/09/2097
गुरु	14/09/2051	शनि	07/09/2060	बुध	06/05/2069	केतु	27/05/2083	शुक्र	22/05/2100
शनि	26/08/2052	बुध	07/02/2062	केतु	02/10/2069	शुक्र	27/05/2086	सूर्य	10/03/2101
बुध	03/07/2053	केतु	08/09/2062	शुक्र	02/12/2070	सूर्य	21/04/2087	चंद्र	10/07/2102
केतु	07/11/2053	शुक्र	08/05/2064	सूर्य	09/04/2071	चंद्र	20/10/2088	मंगल	16/06/2103
शुक्र	08/11/2054	सूर्य	07/11/2064	चंद्र	08/11/2071	मंगल	07/11/2089	राहु	04/12/2103

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 11 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर तुला राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित आकृति से ऐसा सूचित हो रहा है कि आप एक सैद्धांतिक व्यक्ति हैं। आपका लक्ष्य सर्वोतम जीवन की प्राप्ति है न कि किसी भी प्रकार से धन संचय करना। आप धन को मात्र आवश्यकता की पूर्ति का साध्य समझते हैं। आप धन को संसार का अस्तित्व समझते हैं। परंतु ऐसा संदेह है कि आप धन की खोज में व्यस्त नहीं रहते। धन तो आपके पास निश्चित रूप से आएगा।

संप्रति आप चाहे जैसे भी हो सम्पत्ति उपार्जन में संलग्न रहने के कोई अधिक महत्व नहीं देते हैं। आप अपने जीवन में संतोषप्रद समय व्यतीत करेंगे। आपकी स्पष्टवादिता एक नाटकीय संबंध स्थापित करेगा। तथापि आप अपने आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए वास्तविक लाभांश प्राप्त करने हेतु समर्थ हैं। आप अपने एवं अपने पारिवारिक आवश्यक आवश्यकता हेतु उपयुक्त साधन प्राप्त कर लेंगे।

आप कठिन श्रम साध्य की साधना से भिन्न हैं तथा यह जानते हैं कि अपनी उन्नति हेतु अपने मालिक का किस प्रकार प्रसन्न एवं अनुकूल रखा जाएगा। आप धन्नादि से संपन्न एवं आपकी स्मरण शक्ति विशाल है तथा आप शुद्ध चित्त से किसी भी विषय पर विचार करते हैं। आप में ऐसी संगठनात्मक क्षमता विद्यमान हो सकती है कि किसी भी बड़े कार्य को दिन प्रतिदिन संचालन हेतु कैसा नेतृत्व चाहिए। तथापि आप ऊपर से आधुनिक मेधावी हैं। आप गंभीर रूप से मूल विचार को सुगमता पूर्वक कार्यान्वित करने के लिए पर्याप्त हैं।

इस संदर्भ में ऐसा ज्ञात होता है कि आप अभाग्यता से युक्त होकर भी भाग्यशाली हैं। अभाग्यता की भूमिका आपके स्वास्थ्य से युक्त है। इसमें संदेह नहीं है कि आपका जीवन उत्तम, सुखद एवं आनंददायक होगा। परंतु आपकी शक्ति सीमित रोगादि के कारण शक्ति क्षीण हो जाएगी। इस प्रकार निःसंदेह ऐसा लगता है कि आपको किसी भी रोग से निरोग होने में कुछ समय लग जाएगा। इसलिए आपको इस विंदु पर विचार करना चाहिए कि इस प्रकार के कार्य-कलाप को परित्याग कर देना चाहिए। जिसके प्रभाव से आप रोगग्रस्त हो जाएं तथा शीघ्रता पूर्वक आपको चिकित्सक का परामर्श लेना चाहिए।

कुंभ राशीय प्रभाव से ऐसा संदेह है कि आपको छूआ-छूत अथवा विषाणुयुक्त रोग हो सकता है। ऐसा हो सकता है कि गले का रोग, दांत या आंखों में दिक्कते आ सकती हैं। आपको अपने जीवन की 15 वें 23 वें एवं 29 वें वर्ष में इसके संबंध में ध्यान देकर स्वास्थ्य रक्षा हेतु सतर्क रहना चाहिए।

आप धार्मिक प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि सांसारिक सुखों से युक्त रहकर सुखद जीवन का विस्तार करेंगे। बल्कि आप अपने परिवार के साथ संयुक्त रह कर भी आप स्वतः धार्मिक कार्यों से संलग्न रहेंगे। परंतु वास्तव में आप मानवीय भावनाओं एवं समर्पित भाव से अपनी पत्नी एवं अपनी संतान से संबंधित रहेंगे।

आप अपनी प्रतिभा एवं प्रवृति के अनुसार संबंधित कार्य-व्यवसाय का चयन कर धन प्राप्ति करेंगे। अतएव आप कंपनी के कार्यकारी अधिकारी पद, वैज्ञानिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, प्रोफेसर एवं शैक्षणिक सलाहकार, विधि एवं धन संबंधी कार्य-कलाप आपके लिए लाभदायक होगा। आयात-निर्यात् कार्य-व्यवसाय भी सर्वथा आपके लिए अनुकूल हो सकता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

अंकों में आपके हित अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का त्याग करना आपके लिए उत्तम है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करें एवं आपके लिए सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग उत्तम एवं संतोषप्रदायक है।